Title: Need to relax the laws relating to Environment and Forests with a view to provide irrigation facilities to tribals in Bharuch Parliamentary Constituency, Gujarat.

श्री मन्सुख्भाई डी. ्वसा्वा (भ्रूच) : अध्यक्ष महोद्य, मेरे ्संसदी्य क्षेत्र ्भ्रूच के डेड्यापाडा, ्सागा्बारा, मांगरोल एवं उपर्वाडा की चार तह्सीलों में आदि्वा्सी लोग नि्वा्स करते हैं। इन तह्सीलों की जमीन ्समतल है और ्बांध निर्माण करने की काफी ्संभा्वना है। इ्स ्सम्य ्यहां पर ्सिंचाई के कोई ्साधन नहीं हैं। इन तह्सीलों में नदि्यां ्भी हैं, जिनका पानी रोक कर एवं ्बांध ्बनाकर इन तह्सीलों में ्सिंचाई के माध्यम ्से आदि्वा्सी कि्सानों को उनके खेतों में ज्रूरत प्ड़ने पर पानी पहुंचा्या जा ्सकता है, परन्तु खेद के ्साथ ्सदन को ्बताना प्ड़ता है कि फोरे्स्ट रिर्ज्व एवं ्वन ्संबंधी कानूनों के कारण इन तह्सीलों में ्बांध नहीं ्बना्या जा ्सकता है, जि्सके कारण ्यहां के आदि्वा्सी लोगों को अपने खेतों में ्सिंचाई ्सुविधा नहीं मिल पा रही है एवं क्षेत्रों के ्बेरोजगार लोगों को ्ब्ड़े ्शहरों में मजदूरी के लिए जाना प्ड़ता है।

्सदन के माध्यम ्से ्सरकार ्से अनुरोध है कि इन तह्सीलों में ्बांध ्बनाने के लिए फोरे्स्ट रिर्ज्व कानूनों एवं ्वन ्संबंधी कानूनों में ढिलाई ्बरती जा्ये, जि्स्से ्यहां के गरी्ब आदि्वा्सी कि्सानों को ्सिंचाई मिल ्सके।